दिनांक 10 अप्रैल, 2019 को होटवार, राँची में राज्य स्तरीय बाल समागम–सह–कस्तूरबा संगम, 2019 के समापन समारोह में माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:–

- राज्य स्तरीय बाल समागम–सह–कस्तूरबा संगम, 2019 में आप सभी छात्र–छात्राओं के मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों में निहित प्रतिभा को प्रखर करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रकार के बाल समागम सराहनीय है। मैं विजयी प्रतिभागियों को बधाई देती हूँ। साथ ही अन्य प्रतिभागियों से भी कहना चाहूँगी कि वे निराश न हों, जीत की तमन्ना एवं जज्बा मन में ठाने रहें, जीवन में बड़ी से बड़ी विजयश्री आप हासिल करेंगे।
- झारखण्ड राज्य के बच्चे बहुत होनहार हैं। चाहे वह सरकारी विद्यालय में पढ़ते हों अथवा निजी। मेधा तो है लेकिन सही दिशा प्रदान करने की आवश्यकता होती है। इसमें सबसे बड़ा सहायक तत्व है– आत्मबल एवं मजबूत इरादे। ये यदि नहीं होंगे तो आप कहीं भी पढ़ रहे होंगे तो लक्ष्य हासिल नहीं कर पायेंगे। वहीं जो आत्मबल एवं मजबूत इरादे के साथ आगे बढ़ेंगे, वे निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त करेंगे।
- इतिहास साक्षी है कि हमारे राज्य ही नहीं, देश के भी विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करनेवाले बच्चों ने अपनी प्रतिभा से स्वयं के साथ–साथ अपने समाज एवं राज्य को गौरवान्वित करने का कार्य किया है।

- वैसे यह सत्य है कि ये देश उन्हीं का स्मरण करता है जिसने देश को कुछ दिया हो। स्वयं के लिए धन–दौलत जमा कर आप खुद एवं परिवार को तो सुख–भोग करा सकते हैं, लेकिन ये देश तभी आपको याद करेगा जब आप देश को कुछ दे सकें, देश के लिए कुछ कर सकें।
- इसलिए आप शिक्षा कहीं से भी ग्रहण कर रहे हों, ये मायने नहीं रखता है। मायने रखता है तो वह है आपका आत्मबल, पढ़ने के प्रति उत्साह, लक्ष्य हासिल करने के लिए ललक और राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा कुछ करने का जज्बा।
- राज्य के सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चे शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में अत्यन्त ही प्रतिभावान है। वे परिश्रमी हैं तथा विपरीत परिस्थिति में भी अच्छा कर कर रहे हैं। ... ...उनमें हर क्षेत्र में असीम प्रतिभा है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है। मैंने उन्हें स्वयं निकट से देखा है।
- राज्य के बच्चों को प्रोत्साहित करने के मकसद से मैं स्वयं विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण करती हूँ। इस क्रम में मैंने राज्य में स्थित विभिन्न सरकारी विद्यालयों समेत कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया है। वहाँ पहुंचकर छात्र–छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनती हूँ। उन्हें मैंने सदा अच्छा करने का संदेश दिया है तथा उच्च चरित्र के

साथ जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की मुकाम हासिल करने हेतु कहा है।

- प्रसन्नता का विषय है कि आज इस बाल समागम–सह–कस्तूरबा संगम, 2019 में राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी विद्यालयों के बहुत से छात्र–छात्राओं ने भाग लिया है। अवश्य ही, इस प्रकार के कार्यक्रम उन्हें अच्छा करने हेतु प्रेरित करेंगे और इससे competitive भावना भी विकसित होगी।
- मैंने जहाँ तक देखा है, सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं है। वे व्यवहारिक ज्ञान से भी अवगत हैं। उनके अंदर विविध प्रकार innovative ideas देखने को मिलती है, ज्ञान–विज्ञान के प्रति ललक है, खेल, कला, पेंटिंग, संगीत, नृत्य आदि के प्रति अभिरूचि रखते हैं। आवश्यकता है कि उनमें निहित इन प्रतिभाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने की, उनका उत्साह और मनोबल बढ़ाने की। इस कड़ी में आज स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित की गई यह प्रतियोगिता सराहनीय है।
- आशा है कि राज्यस्तरीय बाल समागम–सह–कस्तूरबा संगम इन्हें और सकारात्मक दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करेगा। मेरे अनुसार, इन बच्चों को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने की ओर भी प्रयास करना होगा। उन्हें विद्यालय में शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ यह भी बताने की आवश्यकता है कि ये अभी से

समाज को क्या दे सकते हैं? समाज के लिए कैसे रोलमॉडल बन सकते हैं? इन विद्यार्थियों का **performance** ऐसा हो कि सामर्थ्य लोग भी अपने बच्चों को सरकारी विद्यालय में पढ़ाने की दिशा में आगे आयें।

- मेरे प्यारे छात्र–छात्राओं, आप स्वयं को कदापि दुर्बल न समझें। आप सभी पूरी निष्ठा, समर्पण व लगन के साथ पढ़ें और लक्ष्य हासिल करें, यही हमारी अपेक्षा है। सफलता आपकी राह देख रही है, इस देश को आपसे बहुत ही उम्मीदें हैं, उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ें। अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर अन्य के लिए भी प्रेरणास्रोत बनें। सभी का दायित्व है कि वे पूर्ण समर्पित भाव से प्रगति की राह में आगे बढ़ें और राष्ट्र को सशक्त करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।
- हमारे **Teachers** भी इन्हें बेहतर शिक्षा देने हेतु सदैव तत्पर रहें तथा उनका उचित मार्गदर्शन करें। वे सिर्फ **Syllabus** पूरा करने के लक्ष्य तक सीमित नहीं रहे, बच्चों में निहित प्रतिभा को प्रखर करने हेतु समर्पित भाव से कार्य करें। वे सदैव एक अच्छे अभिभावक की भी भूमिका में रहे। वे छात्र–छात्राओं को स्वयं की संतान की तरह मानते हुए शिक्षा प्रदान करने की दिशा में अग्रसर रहें।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!